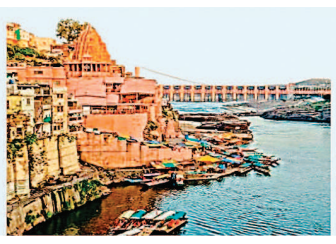

गुरु पूर्णिमा पर्व पर लाखों भक्तों ने दादाजी धाम में नवाए शीश

महाआरती में उमड़े श्रद्धालु, सैकड़ो की संख्या में तरह-तरह के व्यंजनों के लगे भंडारे, भक्तों ने की प्रसादी ग्रहण

नवभारत न्यूज

खंडवा। अवधूत संत दादाजी धुनीवाले के दरबार में पहुंचकर श्रध्दालुओं ने शीश नवाया। गुरूपूर्णिमा पर्व पर शहर में भक्तिमय माहौल था। शहर की सड़के भजलो दादाजी का नाम, भजलो हरिहर जी का नाम की गूंज से गुंजायमान हुई । जगह-जगह भंडारे आयोजित किये गये।

समाजसेवी व दादाजी भक्त सुनील जैन ने बताया कि लाखों की संख्या में दादाजी भक्ति मालवा-निमाड़, महाराष्ट्र पूरे देश से निशान लेकर दादाजी धाम पहुंचे। प्रशासन ने भी इस बार सुरक्षा की दृष्टि से कमर कस कर व्यवस्थाएं की। नगर निगम, स्वंयसेवी संस्थाओं एवं सामाजिक संगठनों द्वारा शहर की साफ-सफाई व्यवस्था पर पूरा ध्यान रखा गया। किसी को भी कोई परेशानी न हो इसके लिए दादाजी आश्रम ट्रस्ट ने भी दादाजी धाम पर मत्था टेकने पहुंचने वाले भक्तों के लिए विशेष व्यवस्थाएं की। समाजसेवी व दादाजी भक्त सुनील जैन ने बताया कि गुरुपूर्णिमा महापर्व पर बुधवार और गुरुवार दो दिनों से शहर दादाजी मय हो गया। चारों ओर दादाजी महाराज के जयकारों के स्वर गुंजायमान थे। हर शख्स दादाजी की भक्ति में लीन नजर आ रहा था। भक्ति की शक्ति देखते ही बन रही थी। दादाजी के दर्शन के लिए जहां श्रद्धालु नंगे पैरों से सैकड़ों किमी की पैदल यात्रा करके बिना थके दादाजीधाम पहुंच रहे थे वहीं तीन दिनों से श्रद्धालुओं की आगवानी में शह वासियों ने अपने सभी काम छोड़कर बिना रुके बाहर से आने वाले दादाजी भक्तों की सेवा में लगे रहे। रात्रि में दादाजी धाम पर लाखों की संख्या में गुरूभक्तों ने उपस्थित होकर पर्व की मुख्य महाआरती में भाग लिया।

समाजसेवी व दादाजी भक्त सुनील जैन ने बताया कि गुरु पूर्णिमा तो पूरे देश में बनाई जाती है लेकिन खंडवा की गुरु पूर्णिमा अद्भुत है जहां अवधूत संत की समाधि के दर्शन करने एवं उन्होंने नमन करने के लिए लाखों की संख्या में भक्त गुरु पूर्णिमा पर दादाजी धाम पहुंचते हैं। देश का यह पहला शहर है जहां बाहर से आने वाले दादाजी भक्तों की सेवा में जिले के साथ पूरे शहरवासी तन मन धन के साथ सेवा में लगे रहते हैं जिले में लगभग 500 से ज्यादा स्टॉलों पर निशुल्क शहर के नागरिकों व सामाजिक संस्थाओं के कार्यकर्ताओं ने चाय, दूध, ब्रेड के साथ पोहा, जलेबी, इमरती, मालपुआ, हलवा, गुलाब जामून, दही बड़े, रस गुल्ले, समोसा, आलू बड़ा, सेंव चुड़ा, साऊथ व्यंजन, भजिये के स्टॉलों के साथ भोजन स्वरूप पुरी-सब्जी, चावल पुलाव, नुक्ती, कड़ी, घंटाघर बर्तन बाजार, और सराफा बाजार में दाल-बॉटी, चुरमा, कड़ी, पूरी सब्जी चावल पुलाव नमकीन व अचार के साथ कई स्थानों पर बैठाकर एवं बफे सिस्टम में प्लेट के माध्यम से भोजन प्रसादी भक्तों को ग्रहण कराई। जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन के साथ निगम प्रशासन ने भी सफाई व्यवस्था एवं पेयजल वितरण व्यवस्था को लगातार बनाए रखा। इतनी बड़ी संख्या में पहुंचे दर्शनार्थियों को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ा यही दादा जी का चमत्कार हे।

एक नजर में

08 अवधेश चैतन्य ब्रह्मचारी महाराज कर रहे चातुर्मास नर्मदा किनारे

ओंकारेश्वर। ओंकारेश्वर के निकट ग्राम बिल्लौरा बुजुर्ग में हो रहा 108 अवधेश चैतन्य ब्रह्मचारी महाराज का चातुर्मास जिसमें बड़ी संख्या में उनके भक्तों का होगा आगमन। सूरजकुंड धाम से पधारे परम पूज्य 108 अवधेश चैतन्य ब्रह्मचारी महाराज का इस वर्ष का चातुर्मास ओंकारेश्वर के समीप ग्राम बिल्लौरा बुजुर्ग के पास आयोजित हो रहा है। प्रतिवर्ष अलग-अलग राज्यों में आयोजित होने वाला यह चातुर्मास इस बार नर्मदा तट के समीप भक्तों के लिए विशेष आध्यात्मिक अवसर लेकर आया है। चातुर्मास की अवधि में प्रतिदिन प्रात: एवं संध्या को वेदपाठ, यज्ञ, पूजन तथा सत्संग का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु और भक्तजन दूर-दूर से भाग लेने आयेंगे। आने वाले सभी भक्त आध्यात्मिक और भक्तिमय आयोजन का लाभ लेंगे।

तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया

ओंकारेश्वर। तीर्थ नगरी ओमकारेश्वर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। सभी आश्रमों में गुरु भक्तों ने गुरु पादुकाओं की पूजा करी गुरुओं की पूजा करी और उन्हें भेंट प्रदान करें। ओंकार मठ आश्रम में प्रात: 8 .00 बजे अखंड संकीर्तन निकल गया। मंदिर और कोटि तीर्थ घाट संकीर्तन वापस ओमकार मठ आश्रम पहुंचा। संगीत में कीर्तन में हरे कृष्णा हरे कृष्णा कृष्णा कृष्णा हरे हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे चल रही थी सन्यास आश्रम अन्नपूर्णा आश्रम गणपति हनुमान मंदिर महै निर्वाणिया अखाड़ा निरंजन अखाड़ा जूनाअखाड़े। ऋण मुक्तेश्वर महादेव नम: शिवाय मिशन शिवकुटी में भी गुरु महोत्सव मनाया गया।

बाबा की समाधि पर श्रद्धा और आस्था के निशान चढ़े

मून्दी। नगर में गुरु पूर्णिमा उत्सव पर्व उत्सव पूर्वक मनाया गया। धर्म की आस्था हर गली मोहल्ले में थी जगह-जगह मुख्य मार्गों पर भंडारे चलते रहे। संत बुखार दास बाबा एवं गुलाब दास बाबा की समाधि पर श्रद्धा और आस्था के निशान चढ़े मांधाता विधायक नारायण पटेल, नगर परिषद अध्यक्ष ज्योति वाला राठौर, सांसद प्रतिनिधि चंद्र मोहन राठौर एवं जनप्रतिनिधि पार्षदगण एवं सिंगाजी भजन गायिका जीवन लता खेड़े ने निशान लेकर पैदल यात्रा करी एवं संत मुखरदास बाबा गुलाब दास बाबा मंदिर परिसर प्रांगण में पहुंचे। निशान की अगवानी महंत विजेंद्र राव गुड्डू भैया ने की। विधिवत पूजन के साथ निशान चढ़ाए गए एवं अन्य स्थानों से भी एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्र से भी निशान आए व भंडारे का आयोजन किया गया। ज्ञात रहे संत बुखार दास बाबा का समाधि स्थल सिंगाजी से मून्दी 23वर्ष पूर्व यहां पर स्थानांतरित हुआ था।

अष्टान्हिका पर्व के समापन पर निकली श्री जिनेंद्र भगवान की विशाल रथयात्रा

नवभारत न्यूज

खंडवा। हमें अपने जीवन के कल्याण के लिए देव शास्त्र गुरु के प्रति समर्पण भाव रखना होगा। तभी हमारा जीवन सफल होगा। देव शास्त्र को मानने वाले ही सम्यक दृष्टि होते है। ज्ञान प्राप्त करने वाला ही ज्ञानी होता है। चातुर्मास हमारा और आपका होने जा रहा है अज्ञान को छोड़कर ज्ञान की बातें धारण करें। भटक रहे हैं तो जिनवाणी का ज्ञान धारण करें कोई भी पर्व हमें जगाने के लिए आता है, इन पर्वो के माध्यम से हम हमारे धर्म और संस्कृति को बनाएं रखते हैं। जैन धर्म में अष्टान्हिका पर्व एक महान पर्व है और इसके माध्यम से हम मंडल विधान की पूजा अर्चना करते हुए समस्त देवताओं को एकत्रित कर भक्ति भाव से अर्घ्य चढ़ाते हैं जो हमारे जीवन के लिए पुण्यशाली होते हैं।

यह उद्गार चातुर्मास के लिए खंडवा पधारे उपाध्याय श्री विश्रुत सागर जी महाराज ने अष्टान्हिका पर्व के समापन अवसर पर श्री पोरवाड़ दिगम्बर जैन धर्मशाला में व्यक्त किए। समाज के सचिव सुनील जैन ने बताया कि गुरु पूर्णिमा के दिन 10 जुलाई गुरुवार को दोपहर 1.30 बजे अष्टान्हिका पर्व के समापन पर भगवान महावीर की विशाल रथयात्रा उपाध्याय श्री विश्रुत सागर एवं मुनि श्री निर्वेद सागर जी महाराज के सानिध्य में निकली, पर्व पर निकली इस रथयात्रा में भगवान महावीर विराजमान थे। जगह-जगह पर भक्तों ने श्रीजी की आरती उतारी।

मुनि सेवा समिति के प्रचार मंत्री सुनील जैन ,प्रेमांशु चौधरी ने बताया कि श्रीजी की रथयात्रा सराफा पोरवाड़ दिगम्बर जैन मंदिर से बुधवारा, केवलराम पेट्रोल पंप, बांबे बाजार, घंटाघर, टाउन हाल, मेडिकल चौराहा, खड़कपुरा, हरिगंज होते हुए सराफा पोरवाड़ दिगम्बर जैन धर्मशाला पहुंची जहां भगवान का अभिषेक व शांतिधारा एवं महाआरती के पश्चात अष्टान्हिका पर्व का समापन हुआ।

आकाशवाणी में इंजीनियरों को तवज्जो से भड़के अनुभवी प्रोग्रामर

नवभारत न्यूज

खंडवा। आकाशवाणी 100 साल से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की नींव रहा है। यहां नौकरियों में बदलते परिवर्तन से आकाशवाणी के प्रसार भारती में 30- 30 साल से काम कर रहे अनुभवी प्रोग्रामरों के अनुभव की अनदेखी की जा रही है। रचनात्मक भूमिकाओं में इंजीनियरों को तरजीह दी जा रही है। इससे आकाशवाणी के कार्यक्रम भी प्रभावित हो सकते है। प्रसार भारती की इस पॉलिसी से खंडवा आकाशवाणी सहित देश भर के सैकड़ो प्रोग्रामर प्रभावित हो रहे हैं। वे आंदोलन की राह पर चल पड़े हैं।

सार्वजनिक प्रसारण क्षेत्र की दिग्गज कंपनी प्रसार भारती के वरिष्ठ कंटेंट पेशेवरों ने व्यवस्थागत पक्षपात और अनुभवी प्रोग्रामिंग कर्मचारियों को हाशिए पर धकेले जाने पर गंभीर चिंता जताई है।

अनदेखी कर नए पदों पर भर्ती क्यों?

तीन दशकों की समर्पित सेवा के बावजूद, कई वरिष्ठ सरकारी कर्मचारी – राजपत्रित अधिकारी, जो लंबे सरकारी करियर के बाद प्रसार भारती में शामिल हुए थे – पदोन्नति के लिए नजरअंदाज किए जा रहे हैं। इसके बजाय, कनिष्ठ भर्ती – जिनकी उम्र, अनुभव और कौशल बहुत कम है – को नेतृत्व के पदों पर तेजी से नियुक्त किया जा रहा है।

इंजीनियरों को रिपोर्ट कर रहे प्रोगामर

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, कंटेंट प्रसारण की रीढ़ है। फिर भी, प्रोग्रामर – जो आकाशवाणी और दूरदर्शन को जीवंत बनाते हैं – को किनारे कर दिया जा रहा है, और वे ऐसे इंजीनियरों को रिपोर्ट कर रहे हैं जिनकी रचनात्मक प्रोग्रामिंग में कोई रुचि नहीं है और जो कंटेंट आउटसोर्सिंग में रुचि रखते हैं, जिससे खर्च बढ़ रहा है और राजस्व कम हो रहा है।

कार्यक्रमों में कंटेंट नहीं आ रहा

बिना किसी पृष्ठभूमि और प्रोग्रामिंग के जुनून के वरिष्ठ कंटेंट पदों पर इंजीनियर काबिज हैं। इससे जनता और आकाशवाणी के कार्यक्रमों में रुचि काम हो रही है। इतना ही नहीं सेवानिवृत्त अधिकारियों (तथाकथित युवा) को सलाहकार के रूप में फिर से नियुक्त किया जा रहा है, जिससे सेवारत कर्मचारियों के लिए उन्नति के अवसर अवरुद्ध हो रहे हैं और उन्हें भारी फ़ीस दी जा रही है।

अनुभवी प्रोग्रामरों के साथ अन्याय

अनुभव की अनदेखी की जा रही है, क्योंकि कनिष्ठ कर्मचारी करियर के विकास में अनुभवी कर्मचारियों से आगे निकल रहे हैं। रचनात्मक स्वायत्तता का क्षरण, सामग्री टीमों पर तकनीकी नेतृत्व का प्रभुत्व हो रहा है।

आकाशवाणी और दूरदर्शन के क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्टेशनों में असंतोष पनप रहा है, क्योंकि अनुभवी प्रोग्रामर खुद को दबा हुआ, उपेक्षित और अपमानित महसूस कर रहे हैं— भले ही वे दशकों से देश की सेवा करने वाले प्रतिष्ठित कार्यक्रमों के पीछे रचनात्मक नब्ज हों।

प्रोगामरों की माँगें

सामग्री पेशेवरों के योगदान को मान्यता देते हुए पारदर्शी और योग्यता-आधारित पदोन्नति की प्रोग्रामर मांग कर रहे हैं। रचनात्मक नेतृत्व प्रोग्रामरों को दिया जाना चाहिए, न कि मीडिया से अपरिचित तकनीकी कर्मचारियों को। निष्पक्ष आंतरिक कैरियर विकास के लिए सेवानिवृत्ति के बाद सलाहकार नियुक्तियों की स्पष्ट सीमाएँ होनी चाहिए। वरिष्ठता और विशेषज्ञता का सम्मान, यह सुनिश्चित करना कि किसी भी अनुभवी कर्मचारी को कनिष्ठ अधिकारियों को रिपोर्ट न करना पड़े।